NBT PAGE 4

थ्योरी में आएंगे दस सवाल, पांच का उत्तर देना अनिवार्य

एलयू में प्रवेश और परीक्षा समिति की बैठक में फैसला, स्टूडेंट्स के ट्रांसफर को बनेगी समिति

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के ट्रांसफर के नियम तय करने के लिए जल्द ही एक समिति बनेगी। एलयू में प्रवेश समिति की बैठक में मंगलवार को यह फैसला हुआ। इसके साथ 12 स्टूडेंट्स के ट्रांसफर के लिए आए आवेदनों को पुराने नियमों के मुताबिक निस्तारित करने पर सहमति बनी। वहीं, परीक्षा समिति की बैठक में तय हुआ कि थ्योरी आधारित परीक्षा में फिलहाल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें स्टूडेंट्स के लिए पांच प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इसके साथ ओएमआर आधारित परीक्षाओं में नियमानुसार आवेदन के बाद ओएमआर शीट दिखाई जाएगी।

एक साथ दो डिग्री करने पर मुहर

एलयू वीसी आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई प्रवेश समिति की बैठक में यूजीसी के डुअल डिग्री को लागू करने पर सहमति बनी। ऐसे में अब एलयू के स्टूडेंट्स एक साथ दो डिग्री ले सकेंगे। वहीं, अगले सत्र में एमएससी फूड प्रोसेसिंग ऐंड फूड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या 30 से बढ़ाकर 40 करने का फैसला हुआ।

ऑनलाइन होगा पीएचडी कोर्स वर्क

प्रवेश समिति की बैठक में फैसला हुआ कि शैक्षिक सत्र 2021-22 में विश्वविद्यालय तथा सहयुक्त महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश अधिसंख्या (सुपर न्यूमेरिक) सीटों पर हो सकेगा। उन्हें पीएचडी कोर्स ऑनलाइन माध्यम के जरिए करने का विकल्प मिलेगा।

आंतरिक परीक्षक भी तय होंगे

बैठक में तय हुआ कि परीक्षा नियंत्रक अब वीसी की मंजूरी के बाद अध्ययन मंडल की ओर से मुहैया करवाई गई सूची के आधार पर परीक्षक उपलब्ध करवाएंगे। यह भी निर्णय लिया गया कि राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों को महाविद्यालय में आयोजित प्रायोगिक परीक्षाओं में आंतरिक परीक्षक नियुक्त किया जाएगा।

हबीबुल्लाह हॉस्टल के गेस्ट रूम 'द्रोणाचार्य' का उद्घाटन

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊः एलयू के हबीबुल्लाह हॉस्टल में कमरा नंबर-79 में बने गेस्ट रूम का उद्घाटन मंगलवार को वीसी आलोक कुमार राय ने किया। इसका नाम द्रोणाचार्य रखा गया है। इसमें विद्यार्थियों के अभिभावक आवश्यकता पड़ने पर रुक सकेंगे। इस दौरान हबीबुल्लाह छात्रावास के अलुमनाई फाउंडेशन के अनिल सिंह वीरू ने बताया कि गेस्ट रूम कुंवर रामवीर सिंह की याद में बनवाया गया है, जो कमरा नंबर-79 में ही रहते थे। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि जल्द ही दूसरे हॉस्टल में भी गेस्ट रूम बनाए जाएंगे।

हबीबुल्लाह छात्रावास में कुंवर रामवीर सिंह की याद में बनवाया गया गेस्ट रूम 'द्रोणाचार्य'।

गेस्ट रूम के उद्घाटन में पहुंचे अतिथियों ने पूर्व में रहे अपने कमरों में जाकर उस दौर की यादें ताजा कीं।

HINDUSTAN PAGE 6

यूजी-पीजी में अब एक साथ दो डिग्री

एलयू

- एलयू प्रवेश समिति की डुअल डिग्री कार्यक्रम पर मोहर
- ओएमआर शीट 300 रुपए पर दिखाने का भी निर्णय

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रवेश और परीक्षा समिति की बैठक मंगलवार को हुई। बैठक में एक साथ यूजी और पीजी में दो डिग्री (डुअल डिग्री) को विश्वविद्यालय में लागू करने की अनुमति दी गई। साथ ही एमसीक्यू परीक्षा की ओएमआर शीट भी नियमानुसार दिखाने के प्रस्ताव पर मोहर लगी। लिखित परीक्षा की कॉपियों की तरह अब एमसीक्यू आधारित परीक्षाओं की ओएमआर शीट आरटीआई से देखी जा सकेंगी। जिसके लिए 300 रुपए प्रति विषय शुल्क छात्रों को देना होगा।

बीकॉम के परिणाम में गड़बड़ी की शिकायत के बाद छात्रों को निशुल्क ओएमआर शीट दिखायी थी। जिसके बाद अब विश्वविद्यालय की ओर से लिखित परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की तरह ही एमसीक्यू पैटर्न पर आधारित परीक्षा की ओएमआर शीट दिखाने के लिए भी नियम बना दिए गए हैं।

दोनों कोर्स और डिग्री मान्य होंगे

यूजीसी द्वारा एक साथ दो डिग्री करने के निर्णय के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक में भी इसे स्वीकृति मिल गई। अब छात्र या छात्रा एक पाठ्यक्रम में नियमित डिग्री की पढ़ाई के साथ किसी और संस्थान या ओपेन स्कूल से दूसरे पाठ्यक्रम में भी नियमित डिग्री की पढ़ाई कर सकेंगे। यह स्नातक और परास्नातक दोनों के लिए है। दोनों ही कोर्स मान्य होंगे और छात्र दोनों डिग्री का प्रयोग कर सकेंगे।

शिक्षक पीएचडी के लिए दस फीसदी सीट

बैठक में पीएचडी अध्यादेश में प्रस्तावित संशोधन को लागू करने की स्वीकृति मिली है। शिक्षकों के लिए पीएचडी कोर्स में 10 फीसदी सुपर न्यूमेरिक सीटों का प्रावधान किया गया है। इस पर वर्तमान शैक्षिक सत्र में ही दाखिला दिया जाएगा। प्रवेश समिति ने छात्र-छात्राओं के दूसरे विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज में स्थानांतरण के आवेदनों का निस्तारण पूर्व निर्णयों के अनुसार करने करने पर सहमति दी। सत्र 2023-24 से एम.एस. सी. फूड प्रोसेसिंग एण्ड फूड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या 30 से बढ़ा कर 40 करने पर स्वीकृति दी।

JAGRAN CITY PAGE III

दूसरे कालेज में स्थानांतरण ले सकेंगे विद्यार्थी

नई शिक्षा नीति के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय तैयार करेगा स्थानांतरण नीति

जासं, लखनऊ : नई शिक्षा नीति-2020 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्रा किसी भी कालेज व विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए स्थानांतरण करा सकेंगे। जल्द ही इसके लिए कुलपति एक समिति बनाएंगे, जो स्थानांतरण नीति का प्रस्ताव तैयार करेगी। यह निर्णय मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई प्रवेश समिति की बैठक में लिया गया। इसके अलावा परीक्षा समिति की बैठक में भी कई निर्णय लिए गए।

लवि नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि हमारे यहां के विद्यार्थी दूसरे कालेज व विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए स्थानांतरण करा सकेंगे। इसके लिए समिति एक नीति तैयार करेगी। अभी 12 छात्र-छात्राओं के स्थानांतरण के संबंध में जो आवेदन आए हैं, उन पर पुरानी व्यवस्था के तहत निर्णय लिया जाएगा।

शिक्षक कर सकेंगे आनलाइन पीएचडी कोर्स वर्क : लवि एवं सहयुक्त महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश 10 फीसद अधिसंख्य (सुपर न्यूमैरिक) सीटों पर दिया जाएगा। यह व्यवस्था चल रहे पीएचडी सत्र 2021-22 सत्र से ही लागू हो जाएगी। ऐसे शिक्षक पीएचडी कोर्स वर्क आनलाइन या मूक्स के माध्यम से भी कर सकेंगे।

दो डिग्री एक साथ करने की सुविधा : लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी दो डिग्री एक साथ ले सकेंगे। प्रवेश समिति की बैठक में यूजीसी की ओर से जारी डुअल डिग्री के दिशा निर्देश को लागू करने का अनुमोदन दे दिया गया। यह व्यवस्था अप्रैल 2022 में यूजीसी के आदेश के तहत ही होगी। इसमें एक रेगुलर डिग्री के साथ दूरस्थ या आनलाइन माध्यम से दूसरा कोर्स करने की सुविधा मिलेगी।

बढ़ गई सीटें : सत्र 2023-24 से एमएससी फूड प्रोसेसिंग एण्ड फूड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या 30 से बढ़ा कर 40 किए जाने का प्रस्ताव भी मंजूर हो गया। इसके अलावा विश्वविद्यालय में ओएमआर आधारित परीक्षाओं की ओएमआर शीट आवेदन के बाद दिखाये जाने का निर्णय लिया गया। पहले की तर्ज पर थ्योरी आधारित परीक्षाओं में निर्धारित प्रश्नों की संख्या 10 रखी गयी, जिसमें पांच प्रश्न करने अनिवार्य होंगे।

आंतरिक परीक्षक बनने के लिए तीन साल की नौकरी जरूरी : स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में तीन वर्ष से अधिक समय से अनुमोदित एवं कार्यरत शिक्षकों को ही महाविद्यालय में प्रायोगिक परीक्षाओं में आंतरिक परीक्षक बनाया जाएगा। वहीं, राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों को महाविद्यालय में आयोजित प्रायोगिक परीक्षाओं में आंतरिक परीक्षक नियुक्त किया जाएगा।

बदलने पेटर्न पर होगी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं : नेशनल पीजी कालेज में स्नातक की सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। 10 दिसंबर को यूजी प्रथम और 15 दिसंबर से पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं होंगी। ये परीक्षाएं भी नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बदले प्रश्न पत्र के पैटर्न पर आयोजित की जाएंगी। इसका विस्तृत विवरण पहले ही जारी किया जा चुका है। प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यूजी प्रथम सेमेस्टर में पहली बार सेक्शन-ए में 10 प्रश्न 'खाली जगह भरो' वाले पूछे जाएंगे। सेक्शन बी में चार प्रश्न होंगे, जिनके 50-50 शब्दों में जवाब देने होंगे।

को-करिकुलर कोर्स न तैयार होने से दिक्कत

लवि की प्रवेश समिति की बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ (लुआक्टा) के अध्यक्ष डा. मनोज पांडेय और महामंत्री डा. अंशु केडिया भी शामिल रहे। उन्होंने कालेज एवं विद्यार्थियों को को-करिकुलर विषय से संबंधित दिशा-निर्देश जारी न होने से आ रही समस्याओं के बारे में बताया। डा. अंशु केडिया का कहना है कि वैल्यू एडेड कोर्स में विश्वविद्यालय की लापरवाही की वजह से अंक तालिका में 'असंतोषजनक' लिख दिया गया है, जिसकी वजह से विद्यार्थियों को भटकना पड़ रहा है। हालांकि कमेटी ने चार-पांच दिन में इसे फाइनल करके वेबसाइट पर अपलोड करने का आश्वासन दिया है।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष एकेटीयू में करेंगे संवाद

डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में आठ दिसंबर को संवाद का आयोजन किया गया है। इसमें हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व उद्यमी शरद विवेक सागर शिरकत करेंगे। बिहार के ग्रामीण परिवेश से निकले शरद ने मात्र 16 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय संगठन डेवसटेरिटी ग्लोबल की स्थापना की। साथ ही उन्होंने भारत और दक्षिण एशिया के अन्य हिस्सों में सालाना 1.2 मिलियन से अधिक बच्चों को प्रभावित करने वाले शैक्षिक प्लेटफार्मों की स्थापना भी की है। वह 24 वर्ष की आयु में ग्लोबल फोर्ब्स अंडर 30 लिस्ट में शामिल हुए थे। शरद छात्रों को भारत को जी-20 की अध्यक्षता के बाद क्या लाभ होगा, इसके विषय में चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज के छात्रों साथ आइईटी, फैकल्टी आफ आर्किटेक्चर सहित अन्य कालेज के छात्र भी हिस्सा लेंगे।

JAGRAN CITY PAGE I

टेलीस्कोप से देखी चांद की सतह

जागरण संवाददाता, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को खगोल विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर डा. अलका मिश्रा के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने सेलेस्ट्रान टेलीस्कोप के जरिये चंद्रमा की सतह को ध्यान से देखा। शाम को हुए इस आयोजन में टेलीस्कोप के माध्यम से चंद्रमा की सतह पर मौजूद अनेकों क्रेटर (गड्ढे) देखकर सभी आश्चर्यचकित रह गए।

डा. अलका मिश्रा ने बताया कि चंद्रमा की सतह पर दक्षिण की ओर मौजूद टायको क्रेटर (व्यास 85 किलोमीटर) स्पष्ट दिखाई पड़ा। चंद्रमा की सतह पर बना यह एक नया क्रेटर है, जिसकी उम्र लगभग 108 मिलियन वर्ष है। इसकी उम्र का अंदाजा अपोलो 17 द्वारा लाए गए नमूनों के परीक्षण से लगाया गया। एस्ट्रोनामी के विद्यार्थियों ने टेलीस्कोप से चंद्रमा की तस्वीरें प्रोसेसिंग के लिए लीं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

परीक्षा व्यवस्था में समिति ने किए महत्वपूर्ण बदलाव

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को परीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय द्वारा होने वाले आगामी परीक्षा व्यवस्था में बदलाव किए गए हैं। अब विश्वविद्यालय द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को दिखाये जाने की व्यवस्था में बदलाव करते हुए समिति ने थ्योरी के प्रश्नपत्रों को लेकर कोई बदलाव नहीं किया है।

लविवि के कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में किए गए फैसले के अनुसार अब विश्वविद्यालय द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को दिखाये जाने की व्यवस्था के अनुसार ओएमआर आधारित परीक्षाओं की ओएमआर शीट नियमानुसार आवेदन के उपरान्त दिखाये जाने का निर्णय लिया गया। पहले की तरह ही थ्योरी आधारित परीक्षाओं में निर्धारित प्रश्नों की संख्या 10 रखी गई है, जिसमें 5 प्रश्न करने अनिवार्य होंगे। अध्ययन मंडल द्वारा संस्तुत विशेषज्ञों की सूची में संबंधित विषयों के महाविद्यालयों के शिक्षकों को आवश्यकतानुसार परीक्षा नियंत्रक को कुलपति से स्वीकृत प्राप्त कर परीक्षक उपलब्ध कराये जाएंगे।

प्रवेश को लेकर समिति के दिशा-निर्देश

1. अगस्त 2022 की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए निर्णय लिया गया कि पीएचडी अध्यादेश में प्रस्तावित संशोधनों का क्रियान्वन शैक्षिक सत्र 2021-22 से किया जाएगा। जिसके तहत विश्वविद्यालय और सह युक्त महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश अधिक सीटों पर हो सकेगा और उन्हें पीएचडी कोर्स ऑनलाइन माध्यम से भी करने का विकल्प होगा।
2. नेप- 2020 के तहत 12 छात्र व छात्राओं के स्थानान्तरण के प्रत्यावेदनों पर समिति ने निर्णय लिया है कि नेप- 2020 के प्राविधानों के तहत छात्र-छात्राओं के स्थानांतरण की प्रस्तावित नीति का प्रस्ताव तैयार करने के लिए कुलपति द्वारा एक समिति का गठन किया जाएगा।
3. यूजीसी द्वारा दिए गए दो डिग्री के दिशा निर्देश को लखनऊ विश्वविद्यालय में लागू किए जाने पर समिति द्वारा अप्रैल, 2022 की यूजीसी की गाइडलाइन के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय में लागू करने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।
4. सत्र 2023-24 से एमएससी फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या 30 से बढ़ा कर 40 की जाएंगी।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

नेट व जेआरएफ के बल पर बने शिक्षक कर सकेंगे पीएचडी

पाठ्यक्रम में 10 फीसदी सुपर न्यूमेरिक सीट पर हो सकेगा दाखिला, पूर्व नियमों के आधार पर ही देख सकेंगे कॉपी

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को प्रवेश समिति की बैठक में पीएचडी अध्यादेश में प्रस्तावित संशोधनों का क्रियान्वन शैक्षणिक सत्र 2021-22 से किया गया, जिसके तहत विश्वविद्यालय तथा सहयुक्त महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को पीएचडी पाठ्यक्रम में अलग से एक सीट बढ़ाकर एडमिशन दिया जाएगा और उन्हें कोर्स वर्क ऑनलाइन माध्यम से भी करने का विकल्प होगा।

■ लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश समिति की बैठक

सुपर न्यूमेरिक के माध्यम से एक सीट अलग बनाने की वजह से छात्रों के पीएचडी प्रवेश में कोई दिक्कत नहीं होगी बल्कि तय सीटों में शिक्षकों के लिए 10 प्रतिशत सीटें बढ़ा दी जायेगी। साथ ही यूजीसी द्वारा दिये गये डुयल डिग्री दिशा निर्देश को लखनऊ विश्वविद्यालय में लागू किये जाने पर समिति द्वारा अप्रैल, 2022 की यूजीसी एक साथ दो शैक्षणिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश को अंगीकृत करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय में लागू करने पर अनुमोदन दिया गया। इसके अलावा नयी शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिगत 12 छात्र-छात्राओं के स्थानांतरण के संबंध में प्राप्त प्रत्यावेदनों पर समिति द्वारा सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि एनईपी के प्राविधानों के दृष्टिगत छात्र-छात्राओं के स्थानांतरण की प्रस्तावित नीति का प्रस्ताव तैयार करने के लिए कुलपति द्वारा एक समिति का गठन किया जाय।

इस क्रम में यह भी निर्णय लिया गया कि छात्र-छात्राओं द्वारा स्थानांतरण के लिए प्राप्त आवेदनों का निस्तारण पूर्व निर्णयों के अनुसार किया जाय। शैक्षणिक सत्र 2023-24 से एमएससी फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या 30 से बढ़ाकर 40 किये जाने पर सर्वसम्मति से अनुमोदन दिया गया।

'द्रोणाचार्य' अतिथि कक्ष का लोकार्पण

लखनऊ (एसएनबी)। हबीबुल्लाह एलुमनाई फाउंडेशन के तत्वावधान में पुरातन छात्र अजय सिंह 'आदित्य' द्वारा शिक्षकों और

■ कुलपति को शाल ओढ़ाकर किया गया सम्मानित

छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष (1985), पूर्व अंतःवासी रूम नंबर-79, स्मृतिशेष कुंवर रामवीर सिंह की पुण्यस्मृति में उनके कमरे का 'द्रोणाचार्य' अतिथि कक्ष का लोकार्पण प्रो. आलोक कुमार राय कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय व अभिरक्षक डा. महेंद्र कुमार अग्निहोत्री की अध्यक्षता में हुआ। हबीबुल्ला छात्रावास के प्रवोस्ट डा. महेंद्र अग्निहोत्री व पुरातन छात्रों द्वारा कुलपति को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कुलपति द्वारा पूर्व छात्र एवं वस्ती के भाजपा विधायक अजय सिंह व अजय सिंह 'आदित्य', घनश्याम शाही, अजीत सिंह पुत्र स्मृतिशेष कुंवर रामवीर सिंह को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अभीरक्षक प्रो. अनूप कुमार सिंह, कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, अपर कुलानुशासक प्रो. मनोज शर्मा, डा. ओ.पी. शुक्ला, डा. एस.पी. सिंह, डा. राजेश्वर प्रसाद यादव, डा. अजय मिश्र, डा. अनुपमा श्रीवास्तव, प्रो. मोनिषा बनर्जी, डा. संगीता साहू, सचिव विश्वविद्यालय एलुमनाई फाउंडेशन प्रो. सुधीर मेहरोत्रा व छात्रावास के पुरातन छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम का संयोजन छात्रावास के पुरातन छात्र ओनल सिंह 'वीरू' ने किया।

द्रोणाचार्य अतिथि कक्ष का किया लोकार्पण

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को हबीबुल्लाह एलुमिनाई फाउंडेशन के तत्वावधान में हबीबुल्लाह छात्रावास में बने द्रोणाचार्य अतिथि कक्ष का लोकार्पण किया। पुरातन छात्र अजय सिंह आदित्य ने 1985 में छात्रसंघ के अध्यक्ष एवं कमरा नंबर 79 के अंतःवासी पूर्व छात्र कुंवर रामवीर सिंह की स्मृति में उनके कमरे को सभी सुविधाओं से लैस करवाया है।

शाम साढ़े चार बजे हुए इस कार्यक्रम में हबीबुल्ला छात्रावास के प्रोवोस्ट डा. महेंद्र अग्निहोत्री व पुरातन छात्रों ने कुलपति को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कुलपति ने पूर्व छात्र एवं विधायक अजय सिंह, अजय सिंह "आदित्य', कुंवर रामवीर सिंह के बेटे अजीत सिंह व घनश्याम शाही को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर एलुमिनाई फाउंडेशन के अध्यक्ष डीके सिंह, सचिव प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, छात्रावास के पुरातन छात्र उपेंद्र सिंह, डीके सिंह, सत्येंद्र सिंह, अंशुमान सिंह, निर्मल सिंह, हिमांशु चौधरी, केपी सिंह, राजेश सिंह भी उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को हबीबुल्लाह छात्रावास में बने द्रोणाचार्य अतिथि कक्ष का लोकार्पण किया ● सौजन्य ट्वीट

दो पूर्व छात्र आगे आए : प्रोवोस्ट डा. महेंद्र अग्निहोत्री ने बताया कि कुलपति ने पुरातन छात्रों से दो अतिथि कक्ष की इच्छा जताई थी। अजय सिंह (विधायक, हरैया) ने कमरा नंबर 80 को अर्जुन अतिथि कक्ष पुरातन छात्रों की स्मृति में और अजय सिंह आदित्य ने कमरा नंबर-79 को द्रोणाचार्य अतिथि कक्ष बनाने पर सहमति प्रदान की थी।

सेलेस्ट्रॉन टेलीस्कोप के जरिये चंद्रमा की सतह देख हैरान हुए छात्र

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में खगोल विज्ञान विभाग में सेलेस्ट्रॉन टेलीस्कोप द्वारा चंद्रमा की सतह को ध्यान से देखने का अवसर विद्यार्थियों को मिला। टेलीस्कोप द्वारा चंद्रमा को देखकर सभी छात्र मंत्रमुग्ध हो गए। विशेष रूप से इसकी सतह पर मौजूद अनेकों क्रेटर (चंद्रमा पर मौजूद गड्ढे) देखकर, सतह पर दक्षिण की ओर मौजूद टाइको क्रेटर (व्यास 85 किलोमीटर) स्पष्ट रूप से दिखा। चंद्रमा की सतह पर बना हुआ यह एक नया क्रेटर है, जिसकी उम्र लगभग 108 मिलियन वर्ष है।

छात्रों ने बताया कि चंद्रमा पर करीब 83,000 क्रेटर मौजूद हैं। जिनका व्यास 5 किलोमीटर से ज्यादा है। जिसे देखकर छात्र हैरान रह गए। एस्ट्रोनॉमी के विद्यार्थियों ने टेलीस्कोप से चंद्रमा की तस्वीरें प्रोसेसिंग के लिए लीं तथा सतह पर मौजूद क्रेटर की मैपिंग की।

सेलेस्ट्रॉन टेलीस्कोप के माध्यम से चांद को देखती छात्रा। अमृत विचार

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

सेलेस्ट्रान टेलीस्कोप के जरिए चंद्रमा पर देखे क्रेटर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी स्थित लविवि में मंगलवार को खगोल विज्ञान की एसोसिएट

= चंद्रमा पर करीब 83000 क्रेटर हैं मौजूद

प्रो. डॉ. अलका मिश्रा ने विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को सेलेस्ट्रान टेलीस्कोप द्वारा चंद्रमा की सतह को ध्यान से देखने का सुअवसर प्राप्त कराया। टेलीस्कोप द्वारा चंद्रमा को देखकर सभी छात्र मंत्रमुग्ध हो गए, विशेष रूप से इसकी सतह पर मौजूद अनेकों गड्ढे देखकर। सतह पर दक्षिण की ओर मौजूद टायको क्रेटर, व्यास 85 किलोमीटर स्पष्ट रूप से दिखा। चंद्रमा की सतह पर बना हुआ यह एक नया क्रेटर है जिसकी उम्र लगभग 108 मिलियन वर्ष है। इसकी उम्र का अंदाजा अपोलो 17 द्वारा लाए गए नमूनों के परीक्षण के द्वारा लगाया गया। डॉ अलका मिश्रा ने लोगों को बताया कि कैसे अनेकों उल्कापिंड चंद्रमा पर वायुमंडल की गैरमौजूदगी की वजह से सतह से टकराकर उस पर गड्ढे बना देते हैं, जिन्हें हम क्रेटर कहते हैं। इन क्रेटरो का व्यास कुछ मीटरों से लेकर हजारों किलोमीटर तक हो सकता है। प्लैटो क्रेटर, जिसका व्यास 109 किलोमीटर है, उत्तर की ओर मौजूद दिखा। कोपरनिकस, व्यास 93 किलोमीटर नाम का क्रेटर भी स्पष्ट रूप से टेलीस्कोप द्वारा दिखाई दे रहा था। एस्ट्रोनॉमी के छात्रों ने बताया कि चंद्रमा पर करीब 83000 क्रेटर मौजूद हैं, जिनका व्यास 5 किलोमीटर से ज्यादा है। छात्र हैरान रह गए जब उन्हें पता चला कि चंद्रमा की दूरी पृथ्वी से लगभग 384000 किलोमीटर है तथा पृथ्वी, चंद्रमा से 6 गुना बड़ी है। लोगों ने यह जानकारी प्राप्त करी कि चंद्रमा पर मौजूद धब्बों को लूनर मारिया कहते हैं। एस्ट्रोनॉमी के विद्यार्थियों ने टेलिस्कोप द्वारा चंद्रमा की तस्वीरें प्रोसेसिंग के लिए लीं तथा सतह पर मौजूद क्रेटर की मैपिंग की। टेलिस्कोप द्वारा चंद्रमा को देखने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में चंद्रमा को देखने के लिए भारी संख्या में लोग मौजूद थे। यह एक अद्भुत नजारा था, जिसका विश्वविद्यालय के सभी विषयों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बहुत देर तक लुत्फ लिया। डॉ. मिश्रा ने लोगों की जिज्ञासा देख आने वाले दिनों में भी इसी तरह के दिलचस्प, रोचक एवं ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित कराने का आश्वासन दिया।

लविवि परीक्षा समिति में लिए गये प्रमुख निर्णय

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी स्थित लविवि में मंगलवार को आयोजित परीक्षा समिति में कुछ प्रमुख निर्णय लिए गये। इन निर्णयों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को दिखाये जाने की व्यवस्था के अनुसार ओएमआर आधारित परीक्षाओं की ओएमआर नियमानुसार आवेदन के उपरान्त दिखाये जाने का निर्णय लिया गया। पूर्व की भाँति थ्योरी आधारित परीक्षाओं में निर्धारित प्रश्नों की संख्या 10 रखी गयी, जिसमें 5 प्रश्न करने अनिवार्य होंगे। अध्ययन मण्डल द्वारा संस्तुत विशेषज्ञों की सूची में सम्बन्धित विषयों के महाविद्यालयों के शिक्षकों को आवश्यकतानुसार परीक्षा नियंत्रक को कुलपति से अनुमोदन प्राप्त कर परीक्षक उपलब्ध कराये जायेंगे। राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों को महाविद्यालय में आयोजित प्रायोगिक परीक्षाओं में आतंरिक परीक्षक नियुक्त किया जायेगा। स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में 3 वर्ष से अधिक समय से अनुमोदित एवं कार्यरत शिक्षकों को महाविद्यालय में आयोजित प्रायोगिक परीक्षाओं में आंतरिक परीक्षक नियुक्त किया जायेगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

पीएचडी के लिए शिक्षकों को मिलेंगी 10 प्रतिशत सीटें

- लविवि में प्रवेश समिति की बैठक में लिया गया निर्णय
- दो विषयों में एक साथ डिग्री लेने पर भी बनी सहमति

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को प्रवेश समिति की बैठक कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में समिति ने अहम निर्णय लिये।

बैठक में सर्वप्रथम 30 अगस्त की कार्यवाही की सर्वसम्मति से पुष्टि की गयी तथा निर्णय लिया गया कि इस बैठक के बिन्दु संख्या 3 के तहत पीएचडी अध्यादेश में प्रस्तावित संशोधनों का क्रियान्वन शैक्षणिक सत्र 2021-22 से किया गया। जिसके तहत विश्वविद्यालय तथा सहयुक्त महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का पीएचडी पाठ्यक्रम में 10 फीसदी प्रवेश अधिसंख्या (सुपर नुमेरिक) सीटों पर हो सकेगा और उन्हें कोर्स वर्क ऑनलाईन माध्यम या माक्स के माध्यम से भी करने का विकल्प होगा। अधिसंख्या करने से छात्रों के के पीएचडी प्रवेश में कोई दिक्कत नहीं होगी बल्कि तय सीटों में शिक्षकों के लिए 10 प्रतिशत सीटें बढ़ा दी जायेगी। साथ ही यूजीसी द्वारा दिये गये डूयल डिग्री दिशा निर्देश को लखनऊ विश्वविद्यालय में लागू किये जाने पर समिति द्वारा अप्रैल, 2022 की यूजीसी एक साथ दो शैक्षणिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश को अंगीकृत करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय में लागू करने पर अनुमोदन दिया गया। इसके अलावा नयी शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिगत 12 छात्र-छात्राओं के स्थानांतरण के संबंध में प्राप्त प्रत्यावेदनों पर समिति द्वारा सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि एनईपी के प्राविधानों के दृष्टिगत छात्र-छात्राओं के स्थानांतरण की प्रस्तावित नीति का प्रस्ताव तैयार करने के लिए कुलपति द्वारा एक समिति का गठन किया जाय। इस क्रम में यह भी निर्णय लिया गया कि छात्र-छात्राओं द्वारा स्थानांतरण के लिए प्राप्त आवेदनों का निस्तारण पूर्व निर्णयों के अनुसार किया जाय। शैक्षणिक सत्र 2023-24 से एमएससी फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या 30 से बढ़ाकर 40 किये जाने पर सर्वसम्मति से अनुमोदन दिया गया।

परीक्षकों के लंबित भुगतान शीघ्र करने के निर्देश: लविवि में आयोजित हुई प्रवेश एवं परीक्षा समिति की बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय संबद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ (लुआक्टा) द्वारा उठायी गयी अनेक मांगों पर कुलपति ने शिक्षकों के हित में निर्णय पारित किये। इसमें स्थायी शिक्षकों के प्रमोशन के लिए पीएचडी कराये जाने का निर्णय होने पर खुशी जाहिर की गयी। साथ ही परीक्षकों के लंबित भुगतान का मुद्दा भी लुआक्टा द्वारा उठाया गया। वित्त अधिकारी को यथाशीघ्र भुगतान के निर्देश दिये गये।

उत्तर पुस्तिकाओं की तर्